an>

Title: Regarding the need to continue a policy in Haryana that promotes sports and also to establish a national sports university in Haryana.

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा (रोहतक) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बहुत महत्वपूर्ण विषय उठाना चाहता हूं। जैसे कि आप सब जानते हैं कि खेलों में हरियाणा प्रदेश का नाम सबसे ऊपर आता है। हरियाणा प्रदेश के खिलाड़ियों ने हर अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश का नाम, मान-सम्मान बढ़ाने का काम किया है। पिछले कई वर्षों की अगर हम अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता देखें तो देश में 30 से 50 प्रतिशत मैडल्स हरियाणा प्रदेश के खिलाड़ी लेकर आये हैं। कॉमनवेल्थ में 39 में से 21 गोल्ड मैडल्स हरियाणा प्रदेश से आये। एशियाई खेलों में 106 में से 34 मैडल्स हरियाणा प्रदेश से आये। ओलम्पिक खेलों में 6 मैडल्स में से 4 मैडल्स हरियाणा पृष्ठभूमि के खिलाड़ियों के आये। जिस खेल नीति - "पदक लाओ, पद पाओ" के आधार पर हरियाणा में नौजवान खेल की तरफ प्रोत्साहित हो रहे थे, मुझे खुशी है कि यहां खेल मंत्री जी स्वयं बैठे हैं, इस तरह की चर्चा चल रही है कि हरियाणा की सरकार इस खेल नीति को केवल इस बात के लिए बदलना चाहती है, क्योंकि यह खेल नीति पूर्व मुख्यमंत्री के साथ जुड़ी हुई है। मैं समझता हूं कि जहां तक खेल की बात है तो यह राजनीति का विषय नहीं होना चाहिए । जिस खेल नीति के आधार पर हमारे खिलाड़ी 40 से 50 प्रतिशत मैडल्स लेकर आये हैं, उस खेल नीति की सुरक्षा करना केन्द्र सरकार और खेल मंत्री का काम है। खेल मंत्रालय के अधिकारियों ने इस खेल नीति की बहुत सराहना की है।

दूसरा, हमारी एक राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय की मांग चली आ रही है। हमें उम्मीद है कि वह राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय हरियाणा में आयेगा। एक पूर्वोत्तर में आया, उसके लिए हमें खुशी है मगर हरियाणा में जल्दी आये, ऐसी हम उम्मीद लगाये बैठे हैं। उसकी मांग हर बार-बार करते हैं।